http://www.jagran.com/news/national-10-days-before-they-shot-vashisht-police-told-court-no-complaint-no-fir-against-him-12385997.html
10 days before they shot Va...
File Edit View Favorites Tools Help

दिल्ली एनकाउंटरः स्पेशल सेल ने ही मनोज को बताया था पाक-साफ

PREVIOUS NEXT

Publish Date:Wed, 20 May 2015 08:35 AM (IST) | Updated Date:Wed, 20 May 2015 01:07 PM (IST)

Share

नई दिल्ली। मध्य दिल्ली के एक रेस्तरां में मनोज वशिष्ठ के कथित मुठभेड़ मामले में दिल्ली पुलिस के स्पेशल सेल के दावों की पोल खुलती नजर आ रही है। दस दिन पहले ही कोर्ट में स्पेशल सेल ने मनोज वशिष्ठ को पाक-साफ बताया था।

अखबार के मुताबिक, गिरफ्तारी के डर से मनोज वशिष्ठ ने सेशन कोर्ट में 2 मई को अग्रिम जमानत के लिए अर्जी लगाई थी। अपने आवेदन में उसने कहा था कि याचिकाकर्ता ने कोई अपराध नहीं किया है। जबकि पुलिस स्टेशन स्पेशल सेल के अधिकारी उस पर झूठे और मनगढ़ंत आरोप लगाकर गिरफ्तार करना चाहते हैं। उसने बताया कि वो एक पूर्व अपराधी नहीं है और साफ छवि का इंसान है।

6 मई को सुनवाई के दौरान सेशन जज रितेश सिंह ने कहा कि स्पेशल सेल से मिली रिपोर्ट के मुताबिक याचिकाकर्ता के खिलाफ न तो कोई एफआईआर दर्ज है और न ही कोई शिकायत। रिपोर्ट को देखने के बाद उन्होंने कहा कि, ऐसी स्थिति में याचिकाकर्ता को अग्रिम जनानत का आदेश लेने की कोई आवश्यकता नहीं है। इसलिए ये फाइल यहीं बंद की जाती है।

मिलती जुलती

आप की यूथ विंग में महिलाओं की उपेक्षा

आप की यूथ विंग में महिलाओं की उपेक्षा

गुर्जरों ने मनाया जश्न, दिल्ली-मुंबई रेल मार्ग बहाल

गुर्जरों ने मनाया जश्न, दिल्ली-मुंबई रेल मार्ग बहाल

ACB विवाद में SC ने दिल्ली

ENG 10:33 AM

http://www.jagran.com/news/national-10-days-before-they-shot-vashisht-police-told-court-no-complaint-no-fir-against-him-12385997.html
10 days before they shot Va...
File Edit View Favorites Tools Help

है। इसलिए ये फाइल यहीं बंद की जाती है।

मनोज वशिष्ठ और उनके बिजनेस पार्टनर पंकज अलाका के वकील संजय श्रीवास्तव ने अंग्रेजी अखबार को बताया था कि 2 मई को दोनों उनसे मिले थे और सेशन कोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका दायर करने को कहा था। वकील ने कहा "वशिष्ठ ने मुझे बताया कि 29 अप्रैल को वो अपने पार्टनर पंकज और एक महिला के साथ कार से जा रहा था। धौला कुआं के पास दो पुलिस वालों ने उनकी कार के पास अपनी बाइक रोकी। तभी एक पुलिस जिप्सी भी कार के दूसरी ओर रूकी। जिप्स में बैठे सभी लोग सादी वर्दी थी।"

वकील के मुताबिक , जिप्सी से पांच पुलिस वाले उतरे और मनोज और पंकज को जांच में पूछताछ के लिए लोदी कॉलोनी स्पेशल सेल पुलिस थाने चलने को कहा। वे लोग दोनों को स्पेशल सेल ले गए और पूछा, तुमदोनों को हिरासत में क्यों लिया जा रहा है। उस वक्त दोनों डर गए। फिर हंगामा शुरू हो गया। शोर सुनने के बाद कुछ राहगीर वहां पहुंचे और हस्तक्षेप करने लगे, जिसके बाद मनोज और पंकज वहां से निकलने में कामयाब हो गए।

उधर मनोज वशिष्ठ के भाई अनिल ने दावा किया है कि 29 अप्रैल को सेल के लोगों ने धौला कुआं से नोएडा परी चौक तक उसकी कार का पीछा किया। जब मनोज दिल्ली को पार कर नोएडा पहुंचा, तब उसने अपनी कार रोकी और बाहर निकला। उसकी कार के ठीक पीछे स्पेशल सेल के लोगों ने भी अपनी गाड़ी रोकी। गाड़ी से उतरने के बाद स्पेशल सेल के लोग उसके (मनोज) के पास गए और कहा कि स्पेशल सेल की एक केस में वो वॉन्टेड है।अनिल ने बताया कि तब उसके भाई ने स्पेशल के लोगों को 60 हजार रुपए दिये और उसे छोड़ देने को कहा। जब इस बारे में स्पेशल सेल के कमिश्नर एस एन श्रीवास्तव से पूछा गया तो उन्होंने कुछ भी कहने से इनकार कर दिया।

बता दें कि मध्य दिल्ली के राजेंद्र नगर इलाके के सागर रत्ना रेस्टोरेंट में शनिवार रात दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल द्वारा कथित एनकाउंटर में मनोज वशिष्ठ मारा गया था। जिसके बाद सीसीटीवी फुटेज के सामने आने के बाद स्पेशल सेल के अधिकारियों पर सवाल उठने लगे। विजिलेंस जांच के आदेश के बाद

ACB विवाद में SC ने दिल्ली सरकार को जारी किया नोटिस

पेशी..

पेशी..

भाभी से अवैध संबंध के चलते गई तीन की जान!

भाभी से अवैध संबंध के चलते गई तीन की जान!

ENG 10:34 AM

थी।"

वकील के मुताबिक , जिप्सी से पांच पुलिस वाले उतरे और मनोज और पंकज को जांच में पूछताछ के लिए लोदी कॉलोनी स्पेशल सेल पुलिस थाने चलने को कहा। वे लोग दोनों को स्पेशल सेल ले गए और पूछा, तुमदोनों को हिरासत में क्यों लिया जा रहा है। उस वक्त दोनों डर गए। फिर हंगामा शुरू हो गया। शोर सुनने के बाद कुछ राहगीर वहां पहुंचे और हस्तक्षेप करने लगे, जिसके बाद मनोज और पंकज वहां से निकलने में कामयाब हो गए।

उधर मनोज वशिष्ठ के भाई अनिल ने दावा किया है कि 29 अप्रैल को सेल के लोगों ने धौला कुआं से नोएडा परी चौक तक उसकी कार का पीछा किया। जब मनोज दिल्ली को पार कर नोएडा पहुंचा, तब उसने अपनी कार रोकी और बाहर निकला। उसकी कार के ठीक पीछे स्पेशल सेल के लोगों ने भी अपनी गाड़ी रोकी। गाड़ी से उतरने के बाद स्पेशल सेल के लोग उसके (मनोज) के पास गए और कहा कि स्पेशल सेल की एक केस में वो वॉन्टेड है।अनिल ने बताया कि तब उसके भाई ने स्पेशल के लोगों को 60 हजार रुपए दिये और उसे छोड़ देने को कहा। जब इस बारे में स्पेशल सेल के कमिश्नर एस एन श्रीवास्तव से पूछा गया तो उन्होंने कुछ भी कहने से इनकार कर दिया।

बता दें कि मध्य दिल्ली के राजेंद्र नगर इलाके के सागर रत्ना रेस्टोरेंट में शनिवार रात दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल द्वारा कथित एनकाउंटर में मनोज वशिष्ठ मारा गया था। जिसके बाद सीसीटीवी फुटेज के सामने आने के बाद स्पेशल सेल के अधिकारियों पर सवाल उठने लगे। विजिलेंस जांच के आदेश के बाद सभी अधिकारियों का तबादला कर दिया गया है।

ये भी पढ़ें: गिरी गाज : मनोज एनकाउंटर में शामिल सभी पुलिसकर्मियों का तबादला

ये भी पढ़ें: पुलिस ने पति का किया फर्जी एनकाउंटर : प्रियंका

ये भी पढ़ें: वशिष्ठ मामले की जांच के लिए एसआइटी का गठन: बस्सी

» भारत मैट्रीमोनी- भारत की सबसे भरोसेमंद मैट्रीमोनी सेवा। - मफ्त साइन अप!

पशा..

पेशी..

भाभी से अवैध संबंध के चलते गई तीन की जान!

भाभी से अवैध संबंध के चलते गई तीन की जान!

जनमत

पूर्ण पोल देखें »

ज्यादा पठित